

नए कलेक्टर रत्नादकर झा बोले- पत्रकार प्रशासन और जनता के बीच सबसे मजबूत कड़ी

श्रमजीवी पत्रकार परिषद के विदाई कार्यक्रम में छलके पंचोली के जज्बात, स्वागत में विकास का संकल्प

इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर/नवप्रदेश। जिले के प्रशासनिक नेतृत्व में बदलाव के बीच शनिवार 1 अगस्त को राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा आयोजित विदाई एवं स्वागत समारोह प्रशासन, पत्रकारिता और जनसरोकारों के समन्वय का प्रभावशाली मंच बन गया। होटल सूर्या के सभागार में आयोजित समारोह में स्थानांतरित कलेक्टर हर्षल पंचोली को भावभीनी विदाई दी गई, जबकि नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा का गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब सहित परिषद के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त शिक्षक पत्रकार बाबूलाल पाठक के स्वस्तिवाचन एवं संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। वहीं पत्रकार महेश मिश्रा ने स्वजंरचित स्वागत एवं विदाई गीत की प्रस्तुति दी



रहें, ताकि समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

अनूपपुर हमेशा याद रहेगा, पत्रकारों ने निभाई विकास की साझेदार की भूमिका : हर्षल पंचोली

सम्मान समारोह में भावुक हुए स्थानांतरित कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि अनूपपुर में बिताया गया

कार्यकाल उनके प्रशासनिक जीवन की सबसे सुखद और यादगार यात्राओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि यहां के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पत्रकारों का लगातार सहयोग मिला, जिसकी बदौलत कई महत्वपूर्ण विकास कार्य सफलतापूर्वक पूरे किए जा सके। उन्होंने कहा कि जिले के पत्रकारों ने केवल खबरें प्रकाशित

करने तक अपनी भूमिका सीमित नहीं रखी, बल्कि जनसमस्याओं को गंभीरता से उत्तरक प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही विभिन्न विभागों के नवाचारों, विकास योजनाओं और जनहित के कार्यों को व्यापक प्रचार-प्रसार देकर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत वातावरण तैयार किया। पंचोली ने कहा

कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिम्मेदार और सकारात्मक पत्रकारिता न केवल समाज में जागरूकता बढ़ाती है, बल्कि प्रशासन को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने जिले के पत्रकारों की रचनात्मक भूमिका की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

संवेदनशील और जनकेंद्रित अधिकारी रहे पंचोली :एसपी विक्रांत मुराब

पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने कहा कि हर्षल पंचोली की कार्यशैली सदैव संवेदनशील, पारदर्शी और जनकेंद्रित रही। उन्होंने हर वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का प्रयास किया। प्रशासनिक दक्षता के साथ उनका मानवीय दृष्टिकोण उन्हें एक लोकप्रिय अधिकारी के रूप में स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि पंचोली से टीम भावना और संवेदनशील प्रशासन की सीख मिलती है। राष्ट्रीय श्रमजीवी

पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कहा कि प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। जब दोनों अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करते हैं, तब विकास कार्यों में पारदर्शिता आती है और जनता का शासन व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होता है। जिला संगठन मंत्री संतोष मिश्रा ने कहा कि हर्षल पंचोली का कार्यकाल विकास, पारदर्शिता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। वहीं संभागीय उपाध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा ने कहा कि प्रशासन और पत्रकारिता के बीच स्वस्थ संवाद ही लोकतंत्र की असली ताकत है। उन्होंने नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि पत्रकार समाज आगे भी जिले के विकास में सकारात्मक सहयोग देता रहेगा। कार्यक्रम में नया प्रयोग करते हुए पत्रकार अमीन वारसी के द्वारा चलते चलते गीत के माध्यम से स्वस्वार प्रस्तुति देते हुए आभार प्रदर्शन किया गया।

आंगनबाड़ी बच्चों का प्राथमिक शालाओं में एक्सपोजर विजिट आयोजित

इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर /नवप्रदेश। कलेक्टर श्री रत्नाकर झा के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती संजीता भगत के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं पांचवीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की एक्शन टेकन रिपोर्ट के अनुसूच 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी बच्चों को वर्ष में दो बार प्राथमिक शालाओं का एक्सपोजर विजिट कराए जाने के निर्देशों के पालन में जिले में सतत रूप से गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत पुष्परजगढ़ अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र जमुनिहा, देमहड़ी, पिपरिया एवं सैतिनचुआ के बच्चों का संबंधित प्राथमिक शालाओं में एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को विद्यालयीन वातावरण से परिचित कराना तथा प्राथमिक शिक्षा के प्रति उनमें रुचि एवं आत्मविश्वास विकसित करना रहा।

ग्वालियर में नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

माय भारत केन्द्र से जुड़े युवाओं ने सुना प्रधानमंत्री मोदी का वरुंअल संबोधन

200 युवाओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

ग्वालियर/नवप्रदेश। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के माय भारत द्वारा संचालित नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत रविवार को ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान (एलएनआईपीई) में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 युवाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वरुंअल उद्बोधन सामूहिक रूप से सुना और नशामुक्त भारत के निर्माण का



संकल्प लिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वरुंअल संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। नशा युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, परिवार और भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने नशे के विरुद्ध समाज, परिवार, शिक्षकों और युवाओं से

जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान करते हुए प्रत्येक नागरिक से सजग रहने की अपील की। एलएनआईपीई में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं कुलपति एलएनआईपीई प्रो. कल्पना शर्मा ने कहा कि खेल, शिक्षा और कला युवाओं को सही दिशा प्रदान करते हैं। नशामुक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल ने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी, माय भारत केन्द्र, श्रीमती अंजली कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि यह अभियान युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर जागरूक बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के दौरान

युवाओं ने नशे से दूर रहने, स्वस्थ एवं फिट जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का संकल्प लिया। जिले के सभी विकासखंडों में भी माय भारत के युवा स्वयंसेवकों ने स्थानीय युवाओं के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। अभियान के अंतर्गत एलएनआईपीई में आयोजित हुए कार्यक्रम में नशा मुक्ति विषय पर सामूहिक नृत्य, नुक्रड नाटक, चित्रकला, रील प्रतियोगिता, गायन, कविता एवं नारा लेखन जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कृत कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

ज्योतिर्लिंग श्री ओकारेश्वर मंदिर में दर्शन की नई त्यवस्था की श्रद्धालुओं ने की सराहना

खण्डवा/नवप्रदेश। ओंकारेश्वर में शनिवार से जिला प्रशासन द्वारा ज्योतिर्लिंग श्री ओंकारेश्वर मंदिर में दर्शन व्यवस्थाओं में विशेष बदलाव किया है। कलेक्टर श्री त्रिभुव गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ समय से शुक्रदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा था, जो कि अब पूरा हो गया है। इस कार्य के पूरा हो जाने से शनिवार को एकादशी पूर्व से भक्तों के लिए ओंकार जी के दर्शन पहले से अधिक सुलभ हो गए हैं। नई व्यवस्था के तहत शुक्रदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण के बाद भक्तों को 10 फीट दूर से दर्शन कराए जा रहे हैं, और दर्शन के बाद श्रद्धालुओं की निकासी चौड़ी द्वार से कराई जा रही है। शनिवार को गाजियाबाद से आए श्रद्धालु गौरव सिंह ने कहा कि मैं पहले भी कई बार ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए आया हूं, लेकिन आज जो दर्शन का



अनुभव किया वह अद्भुत और आनंद दायक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री ओंकारेश्वर के नजदीक से दर्शन करने की अपेक्षा जो व्यवस्था दूर से की गई है यह काफी अच्छी है, क्योंकि अब कुछ देर रुक कर आराम से दर्शन कर सकते हैं। पहले दर्शन पास से कराए जाते थे, लेकिन ज्यादा देर रुक कर दर्शन नहीं कर पाते थे और मन में सुकून से दर्शन करने की इच्छा अधूरी सी रह जाती थी। इसके अलावा दिल्ली से आई भक्त

ईशा शर्मा ने बताया कि आज तो मन भरकर दर्शन किए मन तुम और आनंदित हो गया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ सेकंड में ही दर्शन करना होते थे, क्योंकि पीछे के अन्य श्रद्धालुओं को दर्शन की जल्दी रहती थी और धक्का मुक्की में ढंग से दर्शन नहीं हो पाते थे। अब नई व्यवस्था में दर्शन के लिए निर्धारित स्थान काफी चौड़ा होने से एक साथ बहुत से श्रद्धालु रुक कर आसानी से दर्शन कर पा रहे हैं।

रात्रि चौपाल में कलेक्टर ने विकास कार्यों की समीक्षा कर लिया जायजा विकास कार्यों का निरीक्षण कर जानी हकीकत

अशोक नगर/नवप्रदेश। कलेक्टर साकेत मालवीय ने ग्राम पंचायत सेमराहट में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नल-जल योजना के संचालन, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, रोजगार व्यवस्था हेतु संचालित हैंडपंप तथा शासकीय विद्यालय भवन की स्थिति के संबंध में समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितवाही श्री त्रिवेन्द्र बालनीकि के आवास का अवलोकन कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही सांख्यिक भवन एवं आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण



किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य स्थलों पर कार्य का अवलोकन किया और आवश्यक वितरण प्रदर्शित करने वाले सूचना बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को टीकाकरण संबंधी अद्यतन जानकारी साझा करने के निर्देश भी दिए। आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण आहार, प्री-स्कूल गतिविधियों

तथा भवन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए।आंगनवाड़ी केंद्र के निरीक्षण में नाश्ता एवं भोजन वितरण पंजी संघारित नहीं पाए जाने, वजन पंजी अद्यतन नहीं होने तथा निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर संबंधित सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में ली बैठक

7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक चलेगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान

आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

धार/नवप्रदेश। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने कलेक्टर सभाक्ष में बैठक ली। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण

एवं जन-संवाद के माध्यम से आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग तथा लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को विभिन्न विकासखंडों में जनसंवाद, निरीक्षण एवं समस्या निराकरण की गतिविधियां आयोजित होंगी। कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने अभियान के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके साथ



ही अभियान के सफल संचालन के लिए विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए आदेश जारी किए हैं। जिला स्तर पर अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित संयुक्त कलेक्टरों को

नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकासखंड स्तर पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी तथा संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी

एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सहાયक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को निरीक्षण रोस्टर बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। समस्त विभागों को अपनी-अपनी योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 7 अगस्त को धार, 14 अगस्त को कुशी, 21 अगस्त को सरदारपुर, 18 सितंबर को मनावर, 25 सितंबर को धरमपुरी, 9 अक्टूबर को तिरला, 16 अक्टूबर को नालछा, 23 अक्टूबर को डही, 30 अक्टूबर को निंवरपुर, 6 नवंबर को बाग, 13 नवंबर को उमरनब, 20 नवंबर को गंधवानी, 27 नवंबर को मुलथान, 4 दिसंबर को धामनोद, 11

दिसंबर को राजोद, 18 दिसंबर को पौथमपुर तथा 8 जनवरी 2027 को मांडव में क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान समस्त विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी-अपनी योजनाओं के हितग्राहियों को पूर्व से चिन्हित कर शिविरों में उपस्थित कराते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ मंैक पर ही प्रदान करना सुनिश्चित करें। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की लंबित शिकायतों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों, अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा, न्यायालयीन बाग, 13 नवंबर को उमरनब, 20 नवंबर को गंधवानी, 27 नवंबर को मुलथान, 4 दिसंबर को धामनोद, 11

जल जीवन मिशन, आंगनवाड़ी सेवाओं, स्वास्थ्य संस्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों, खाद-बीज को उपलब्धता तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त सड़कों, तालाबों, अमृत सरोवरों, बांधों, जल जीवन मिशन की संरचनाओं, शासकीय भवनों एवं अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। आईटीआई, मेडिकल कॉलेज, प्राथमिक सहकारी समितियों, तहसीलों, कृषि उपज मंडियों, पुलिस थानों, लोक सेवा केन्द्रों, छात्रावासों, आदर्शों एवं औद्योगिक क्षेत्रों सहित विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

सस्ते घी पर खाद्य विभाग की सख्ती, बड़नगर से 372 लीटर संदिग्ध घी जब्त

ब्रांडेड घी से 200 से 290 रुपये
सस्ता मिलने पर उठे सवाल,
जांच के लिए भेजे गए नमूने

उज्जैन/नवप्रदेश। जिले में कम कीमत पर बिक रहे थे की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़नगर में कार्रवाई करते हुए दो एजेंसियों से विभिन्न ब्रांडों के 3722 लीटर सदिग्ध थी जब्त किया है बाजार में प्रचलित ब्रांडेड थी की

पुलना में यह धी 198 से 290
 रुपये प्रति लीटर तक सरता बिक
 रहा था। मिलावट की आशंका के
 चलते विभाग ने धी के नमूने राज्यस्
 खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेज
 दिए हैं। खाद्य विभाग की टीम ने
 शनिवार को बड़नगर में जांच के
 दौरान नयापुरा स्थित जय भारत
 एजेंसी से श्री कृष्णा देसी धी ब्रांड
 के 337 लीटर धी के पैकेट और
 डिब्बे जब्त किए। यह धी इंदौर की
 एक फर्म से 360 रुपये प्रति लीटर

की दर से खरीदा गया था। वहीं महात्मा गांधी मार्ग स्थित एक अन्य एजेंसी से डेयरी मिल्क एगामाकॉ ब्रांड का 35 लीटर घी मिला, जिसकी खरीद कीमत 462 रुपये प्रति लीटर बताई गई। अधिकारियों के अनुसार बाजार में ब्रांडेड घी की कीमत 630 से 720 रुपये प्रति लीटर के बीच है। ऐसे में इतनी कम कीमत पर घी की बिक्री संदेहास्पद प्रतीत होने पर



कार्वाई की गई। अब प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्वाई की जाएगी। दूध विक्रेताओं और डेयरी संचालकों का कहना है कि शुद्ध घी का उत्पादन इतनी कम लागत में संभव नहीं है। उज्जैन दुग्ध विक्रेता संघ के अध्यक्ष मोहन वासवानी के अनुसार एक किलो शुद्ध घी की उत्पादन लागत ही करीब 650 रुपये तक आती है, इसलिए 360 रुपये के

प्रीत लीटर में शुद्ध घी बेचना व्यावहारिक नहीं है। उनका कहना है कि घी का निर्माण सामान्यतः अतिरिक्त बचे दूध से किया जाता है, फिर भी लागत इससे काफी अधिक रहती है। वासवानि ने यह भी दावा किया कि बाजार में केवल घी ही नहीं, बल्कि मिलावटी पनीर भी बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनके ब्रह्मदेव के नाम से नकली पनीर की सप्लाई का मामला

सामने आया था, जिसकी शिकायत संबंधित विभाग से की गई है। फिलहाल खाद्य सुरक्षा विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अत्यधिक कम कीमत पर विक्रय कर रहे खाद्य उत्पाद खरीदते समय सतर्क रहें और केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही खाद्य सामग्री खरीदें। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि जब्त किया गया चीज मानकों के अनुरूप है या नहीं।

न्यूज गैलरी

**आंगनबाड़ियों में टेक होम राशन व्यवस्था में बदलाव,
स्थानीय स्व-सहायता समूह संभालेंगे जिम्मेदारी**

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश, जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

उज्जैन/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में टेक होम राशन (टीएचआर) वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब रेडी-टू-ईट (आरटीई) पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी स्थानीय स्व-सहायता समूहों को सौंपी जाएगी। इस नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर रंजित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने सभी परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को शासन के निर्देशों के अनुषंग समीक्षा और निरीक्षण के माध्यम से लाभार्थियों को निर्धारित एसओपी के अनुसार रेडी-टू-ईट पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और निर्धारित रूखों के पालन संबंधी आवश्यक जानकारी दी। कार्यशाला में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का संतोषजनक निराकरण, लाभार्थी आधारित योजनाओं की सभी लंबित प्रक्रियाओं को पूरा करने तथा जनसुनवाई से प्राप्त शिकायतों का तीन दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की 14 बाल विकास परियोजनाओं के अंतर्गत 2,127 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों पर कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की निगरानी 72 पर्यवेक्षकों द्वारा की जाती है। विभाग पिछले एक वर्ष से लगातार प्रदेश के शीर्ष 10 ग्रेड जिलों में स्थान बनाकर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। कार्यशाला में सहायक संचालक रीना शर्मा, परियोजना अधिकारी मनोज कुमार जाट, प्रियंका जायसवाल, अर्चना दलाल, प्रीति कटार, ज्योत्सना दीक्षित, प्रियंका गिरी अन्वेषक सुमित सोनी सहित जिले के सभी परियोजना अधिकारी एवं सेक्टर पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

**महाकाल की पहली सवारी से पहले
कलेक्टर का देर रात निरीक्षण, गड्डे
भरने और नालियां ढंकने के निर्देश**

3 अगस्त को निकलेगी बाबा महाकाल की पहली शाही सवारी, मार्ग के फिनिशिंग कार्य जल्द पूरा करने के आदेश

उज्जैन/नवप्रदेश। श्रावण-भाद्रपद मास की पहली बाबू महाकाल की भव्य सवारी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। शनिवार देर रात कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ सवारी मार्ग का पैदल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पहली सवारी से पहले मार्ग के सभी फिनिशिंग कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं।

के गड्डे भरे जाएँ और खुली नालियों को ढंक दिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने सटी गेट से निरीक्षण शुरू किया। इसके बाद छोटा सराफा, गोपाल मंदिर, टंकी चौराहा, ढाबा रोड, श्री सत्यनारायण मंदिर, कार्तिक चौक, गणगौर देवड़ा होते हुए रामघाट तक पैदल पहुंचकर पूरे मार्ग का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क चौड़ीकरण, निर्माण कार्यों की प्रगति और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुम्रा सहित नगर निगम के इंजीनियर और तकनीकी अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क पर बची निर्माण सामग्री तत्काल हटाई जाए, चौड़ीकरण के बाद फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं तथा मार्ग को पूरी तरह समतल और सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मार्ग पर मौजूद रहते हैं, इसलिए सुरक्षा और सुविधा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भगवान महाकाल की श्रावण मास की पहली सवारी सोमवार, 3 अगस्त को श्री महाकालेश्वर मंदिर से पारंपरिक मार्ग से निकलेगी। इसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है और प्रशासन सवारी को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियों में जुटा हुआ है।

प्रथम सवारी आज, अंतिम राजसी सवारी में ड्रोन से होगी पुष्पवर्षा; कलेक्टर ने मीडिया को दी विस्तृत जानकारी

महाकाल की सवारियां इस बार होंगी और अधिक भव्य,
हर सोमवार अलग थीम पर निकलेगी बाबा की पालकी

उज्जैन/वनप्रदेश। भगवान् श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भादी मास की पारंपरिक सवारियों की इस वर्ष धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और जनजागरूकता का अनूठा संयोग बनाया जाएगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रज्वाल समिति के अध्यक्ष एवं कालकंठर शैलन कुमार सिंह ने शनिवार को त्रिवेणी संग्रहालय ऑटोडोरियम में आयोजित प्रेसवार्ता में सवारियों की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और इस वर्ष की विशेष थीम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली सवारी 3 अप्रैल को निकलेगी, जबकि अंतिम राजसी (शाही) सवारी 7 सितंबर को भव्य रूप से निकाली जाएगी।

कलेक्टर ने बताया कि प्राचय मास में 3, 10, 17 और 24 अगस्त को चार सवारियां तथा भादौ मास में 31 अगस्त और 7 सितंबर को दो सवारियां निकाली जाएंगी। सभी सवारियां श्री महाकालेश्वर मंदिर से पूजन-अर्चन के बाद पारंपरिक मार्ग से नगर भ्रमण करते हुए रामघाट पहुंचेंगी और वहीं से निर्धारित मार्ग से वापस मंदिर लौटेंगी। अतिथि राजसी सवारी में पारंपरिक मार्ग के



साथ कंठल, सतीगेट और सरफा
क्षेत्र भी शामिल रहेगा। पहली
सवारी में रामघाट पर भगवान
महाकाल के पूजन के दौरान
1100 वैदिक बटुओं द्वारा वैदिक
मंत्रोच्चार किया जाएगा, जो
श्रद्धालुओं के लिए विशेष
आकर्षण रहेगा। वहीं अंतिम

राजसी सवारी में ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा की जाएगी, जिससे आयोजन की भव्यता और बड़ेगी। प्रेसवार्ता में बताया गया कि इस वर्ष प्रत्येक सवारी को अलग-अलग विषयों से जोड़ा गया है। पहली सवारी वैदिक उद्घोषण, दूसरी लोक नृत्य, तीसरी पुलिस, सेना, होमगार्ड एवं बैंड प्रदर्शन,

चौथी पर्यावरण संरक्षण, पांचवीं 84 महादेव की झांकी तथा अंतिम राजसी सवारी सिंहस्थ-2028 की झांकी और ड्रोन पुष्पवर्षा की थीम पर आधारित होगी। सभी सवारियों में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले जनजातीय नृत्य दल अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे।

सवारी में मजिस्ट्रेट वाहन,
मंदिर का प्रचार वाहन, यातायात
पुलिस, घुड़सवार दल, विशेष
सशस्त्र बल, नगर सेना, पुलिस
बैड, स्काउट-गाइड, कांग्रेस सेवा
दल, भजन मंडलियां, जनजातीय
एवं लोक नृत्य दल, श्री
महाकालेश्वर मंदिर बैड, भगवान
महाकाल की पालकी, एंबुलेंस,

ब्रेजली विभाग का वाहन, फायर ब्रेगेड तथा पुलिस के सुरक्षा वाहन शामिल रहेंगे।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य परिवारियों को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आकर्षक बनाते हुए ब्रह्मालुओं को धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है।

प्रेसवार्ता में प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदलाल यादव तथा जनसंपर्क विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ज्ञान वर्षा इंटरनेशनल स्कूल में मंत्री इंदर सिंह परमार ने किया पौधारोपण, एक पेड़ मां के नाम का दिलाया संकल्प

400 कंप्यूटर लैब और
आईटीआई का किया निरीक्षण,
पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



उज्जैन/नवप्रदेश। श्रावण मास के पवन अवसर पर ज्ञान वर्षा इंटरनेशनल स्कूल में पौनर्वसु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए नवप्रदेश के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार ने एक पेंड्रम का के नाम अनियायन के तहत पौनर्वसु पौनर्वसु संस्था का आयोजन संस्था का संस्था दिया। उन्होंने उपस्थित जनों को अधिक से अधिक पैसे लगाने और उनके संस्था का संस्था भी दिलाया। मलखनगर दायदर श्री बाबा ने स्वयं प्रणामा पार्टीदार के जगन्नाथ के अवसर पर बेलपत्र के पौधों की पूजा-अर्चना और आरती का पौनर्वसु किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल, बरिफ आने वाली पीढ़ियों के लिए, सुस्थित और स्वस्थ मविष्य की नींव

भी तैयार करते हैं। इसके बाद नगीर परमाने के सुविधा पर्सर का भ्रमण कर अधुनिक सुविधाओं से युक्त 4000 कर्मचरों वाली लैब बना आईईआई की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उज्जैनमें सस्मान द्वारा विद्यार्थियों तकनीकी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रविधियाँ उपलब्ध कराने के प्रयासों की सहजता की। इस अवसर पर उज्जैन उरार विधायक अजिल जैन का लुहेडा, गुजरात परमान, नदीर परमान, प्रधन नायक, ईश्वर चौधरी, मनीष प्रजापत, अरुणेश पाटीदार, सुरेश पाटीदार सवित अनेक मानगवय नागरीक उपस्थत रहे। अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन लैब पाटीदार ने किया।

खाचरौद के बड़ागांव में समाज की मौजूदगी में निभाई अंतिम संस्कार की रस्में, प्रेम विवाह को लेकर उठा विवाद

प्रेम विवाह से नाराज़ परिवार ने जीवित बेटी का किया प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार, क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी घटना

खाचरौद (उज्जैन)/
नवप्रदेश । उज्जैन जिले की
 खाचरौद तहसील के बड़गांव में
 प्रेम विवाह को लेकर एक
 भावनात्मक और विवादस्पद
 मामला सामने आया है। परिवार ने
 अपनी बातों के प्रेम विवाह से
 नाराज होकर समाज के लोगों की
 मौजूदगी में उसे प्रतीकात्मक रूप
 से मृत घोषित करते हुए उसकी
 तस्वीर का अंतिम संस्कार किया।
 इसके बाद प्रेम के अनुसंधान
 गोराने (मृत्युभोज संबंधी धार्मिक
 रस्म) का आयोजन भी किया
 गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में
 इसकी व्यथा चर्चा हो रही है।
 परिजनों का कहना है कि बेटी



अनुसार प्रतीकात्मक अंतिम



संस्कार करने का निर्णय लिया।



यटना की जानकारी मिलने पर

समाज के कई लोग परिवार के घर पहुँचे और उनके प्रति संवेदना व्यक्त की। इस दौरान कुछ समाजजनों ने सुझाव दिया कि प्रेम विवाह के मामलों में विवाह पंजीकरण से पहले माता-पिता को सूचना देने जैसी व्यवस्था पर सरकार को विचार करना चाहिए।

समाज के प्रतिनिधि मांगीलाल पाटीदार ने बताया कि गुरातर सरकार विवाह पंजीकरण नियमों में संशोधन का प्रस्ताव लेकर आई है, जिसमें प्रेम विवाह या भागकर किए गए विवाह के पंजीकरण से पहले माता-पिता को सूचना

देने, उनके आधार विवरण एवं मोबाइल नंबर दर्ज करने तथा 30 दिन की आपत्ति अवधि रखने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

एडवोकेट उमाशंकर पाटीदार ने कहा कि जीवित बेटी का प्रतीकात्मक क्रियाकर्म करना अत्यंत दुःख है, लेकिन परिवार ने इसे अपनी गहरी भावनात्मक पीड़ा का परिणाम बताया है। उनका कहना था कि माता-पिता ने बेटी के लिए पहले से रिश्ता भी तय किया था, किंतु उसने अपनी इच्छा से प्रेम विवाह कर लिया, जिससे परिवार आहत हुआ।

फिलहाल यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

